Ancient Vedic Mantras and Rituals

Jaya Ekadashi 2026 : तिथि, शुभ समय, व्रत विधि, कथा और महत्व | PDF

जया एकादशी हिंदू धर्म की एक अत्यंत पुण्यदायक एकादशी है। यह व्रत **भगवान विष्णु** को समर्पित होता है और माघ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, जया एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति, भय से रक्षा और आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है।

जया एकादशी 2026 की तिथि और समय

साल 2026 में जया एकादशी का व्रत निम्न तिथि और समय पर रखा जाएगा:

- एकादशी तिथि प्रारंभ: 28 जनवरी 2026, शाम लगभग 4:35 बजे
- एकादशी तिथि समाप्त: 29 जनवरी 2026, दोपहर लगभग 1:55 बजे
- जया एकादशी व्रत दिन: 29 जनवरी 2026 (गुरुवार)
- पारण का समय: 30 जनवरी 2026, सुबह लगभग 7:10 बजे से 9:20 बजे तक

धार्मिक मान्यता के अनुसार, व्रत उसी दिन रखा जाता है जिस दिन सूर्योदय के समय एकादशी तिथि हो।

जया एकादशी का धार्मिक महत्व

जया एकादशी का विशेष महत्व बताया गया है क्योंकि यह व्रत व्यक्ति को नकारात्मक शक्तियों, भय और मानसिक अशांति से मुक्त करता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में शुद्धता, संयम और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह एकादशी उन लोगों के लिए विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है जो आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति और जीवन में स्थिरता चाहते हैं।

जया एकादशी व्रत कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, स्वर्ग में रहने वाले गंधर्व माल्यवान और पुष्पदंत नियमों का पालन न करने के कारण श्रापित होकर पिशाच योनि में चले गए थे। उन्होंने अपने कष्ट से मुक्ति पाने के लिए जया एकादशी का व्रत किया और भगवान विष्णु की आराधना की। इस व्रत के प्रभाव से वे श्राप से मुक्त हो गए और पुनः स्वर्ग को प्राप्त हुए। इसी कारण जया एकादशी को भय, पाप और दोषों से मुक्ति देने वाली एकादशी कहा गया है।

जया एकादशी व्रत विधि

जया एकादशी के दिन व्रती को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए और स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र के सामने पूजा करनी चाहिए।

पूजन में तुलसी दल, अक्षत, पुष्प, दीपक और नैवेद्य अर्पित किया जाता है। व्रत के दौरान अन्न का त्याग किया जाता है। फल, दूध और फलाहार ग्रहण किया जा सकता है।

दिनभर भगवान विष्णु के नाम का स्मरण, विष्णु सहस्रनाम का पाठ और एकादशी कथा का श्रवण करना अत्यंत पुण्यदायक माना जाता है।

जया एकादशी व्रत के लाभ

जया एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को मानसिक शांति प्राप्त होती है। पाप कर्मों का नाश होता है और आत्मा शुद्ध होती है। जीवन में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा और भय दूर होते हैं।

यह व्रत मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त करता है और भगवान विष्णु की विशेष कृपा दिलाता है।

जया एकादशी का आध्यात्मिक संदेश

जया एकादशी हमें संयम, अनुशासन और भक्ति का महत्व सिखाती है। यह दिन आत्मचिंतन और ईश्वर से जुड़ने का उत्तम अवसर प्रदान करता है। सच्चे मन और श्रद्धा से किया गया यह व्रत जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है।

जया एकादशी 2026 एक अत्यंत शुभ अवसर है, जब भगवान विष्णु की आराधना कर व्यक्ति अपने जीवन को शुद्ध, शांत और सफल बना सकता है। यदि यह व्रत नियम और श्रद्धा के साथ किया जाए, तो यह सांसारिक और आध्यात्मिक दोनों प्रकार के लाभ प्रदान करता है।

RELATED ARTICLE

Shri Vishnu Sahasranam Stotra

Shri Vishnu Ji Aarti

THANKS FOR READING

READ MORE RELIGIOUS CONTENT ON

vedicprayers.com

VEDIC PRAYERS